साप्ताहिक
निष्पक्ष...निर्भीक...निरंतर...
विश्वास का तीर
सपांदक- आयुष राजपूत
RNI.NO- MPHIN/2022/83636
वर्ष-03 | अंक-32 | भोपाल, प्रति शुक्रवार 21 जून 2024 | मूल्य-10 रूपयें | पृष्ठ-08

पीएम मोदी से सीएम मोहन यादव ने की मुलाकात

केन-बेतवा लिंक परियोजना के भूमिपूजन में शामिल होने का दिया न्योता

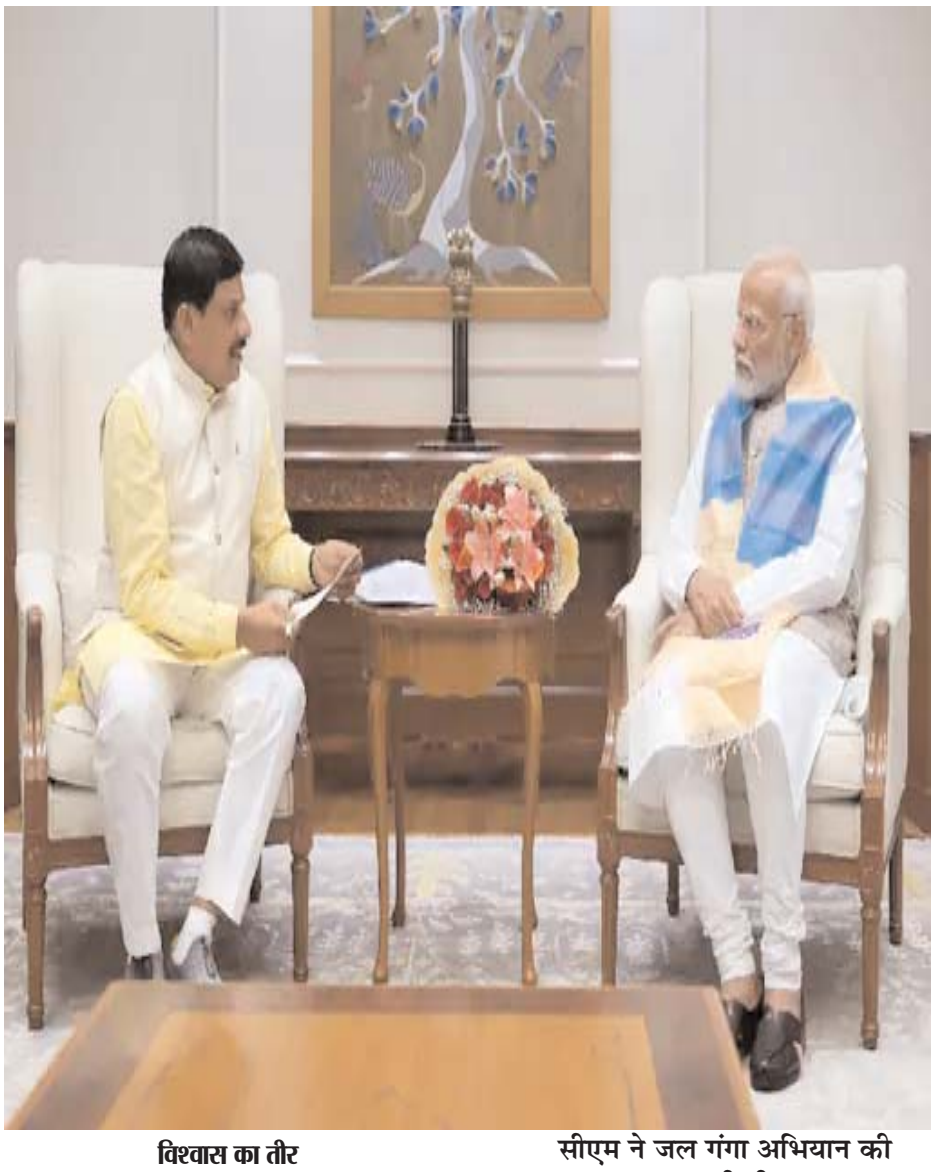

विश्वास का तीर

सीएम डॉ मोहन यादव ने आज दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास पर पीएम नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। सीएम ने प्रधानमंत्री मोदी को तीसरी बार के कार्यकाल के लिए बधाई दी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रधानमंत्री को मप्र में चल रही दो प्रमुख नदी-जोड़ो परियोजनाओं, केन-बेतवा परियोजना और पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना की वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि केन-बेतवा परियोजना भूमिपूजन के लिए तैयार है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से केन-बेतवा परियोजना के भूमिपूजन के लिए समय देने का अनुरोध किया।

सीएम ने जल गंगा अभियान की जानकारी दी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को प्रदेश में चल रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की स्थिति से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जल-गंगा अभियान से प्रदेश के कुएं, बावड़ियां, नदियां, तालाब, पोखर, झील इत्यादि जल संरचनाओं पर ध्यान केंद्रित कर जनजागृति का वृहद स्तर पर अभियान चलाया जा रहा है। प्रदेश की जनता का इस अभियान के प्रति उत्साह देखकर इस अभियान की समय-सीमा को 30 जून तक बढ़ाया गया है।

सिकलसेल उन्मूलन की दिशा में सरकार कर रही प्रयास

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री मोदी को प्रदेश में चल रहे सिकल सेल उन्मूलन कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के नेतृत्व में डिंडोरी जिले में विश्व सिकल सेल दिवस पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि राज्य सरकार रक्त विकार की इस गंभीर बीमारी के उन्मूलन के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम मोहन यादव कल पहुंचे थे दिल्ली

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव मंगलवार शाम को दिल्ली पहुंचे थे। उन्होंने मंगलवार को केंद्रीय आवास और शहरी कार्य तथा ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर, केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से उनके आवास पर भेंट की थी। देर रात सीएम डॉ. मोहन यादव ने केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। आज दोपहर बाद सीएम डॉ मोहन यादव दिल्ली से अयोध्या के लिए रवाना हुए हैं।

अयोध्या में धार्मिक आयोजनों में शामिल होकर दिल्ली लौटेंगे

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज अयोध्या में मणिरामदास छावनी वासुदेव घाट पहुंच कर नृत्य गोपालदास जी महाराज के 86वें जन्मोत्सव कार्यक्रम में शामिल होकर उनका आशीर्वाद लिया। अयोध्या में धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद शाम को वे अयोध्या से दिल्ली पहुचेंगे। शाम 5 बजे अयोध्या से दिल्ली पहुंचेंगे।

भोपाल की 25 कॉलोनाइजर्स को नोटिस, 15 दिन में जवाब मांगा

कानासैया, बरखेड़ी, अमरावदकलां, धुआंखेड़ा में काटी अवैध कॉलोनी

विश्वास का तीर

भोपाल के कानासैया, बरखेड़ी, अमरावदकलां, धुआंखेड़ा समेत कई जगहों पर अवैध कॉलोनियां काटे जाने पर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने 25 कॉलोनाइजरों को नोटिस थमाए हैं। इनसे 15 दिन के भीतर यानी, 4 जुलाई तक जवाब मांगा गया है। इसके बाद एफआईआर दर्ज की जाएगी। कलेक्टर के नोटिस में अवैध कॉलोनी काटने वालों को जमीन की खरीद-फरोख्त नहीं करने को कहा गया है। ऐसा करने पर कड़ी कार्रवाई करने की हिदायत दी गई है। नोटिस का जवाब 4 जुलाई को दोपहर 3 बजे तक देना होगा।

इन्हें दिए गए नोटिस

कानासैया में कॉलोनी काटने पर बचनसिंह, अभिलाष मीना, एमकेडी प्रॉपर्टी डेवलपर्स, पार्टनर अनुज साहू को, पिपलिया बरखेड़ी में कृष्णा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स, बांके बिहारी डेवलपर्स को।

सुरैया नगर में कन्हैयालाल प्रेमचंद को, पचामा में ललित साहू को, अमरावदकलां में प्रेमनारायण रामभरोसे, शोभापुरा जहेज में हिम्मत सिंह, धुआंखेड़ा में कृष्णा बिल्डर्स एंड डेवलपर्स, चंद्रप्रकाश मारण को।

कालापानी में कॉलोनी काटने पर संजय मिश्रा, श्रीजी डेवलपर्स को, कोटरा में रविंद्र वर्मा को, कोलुआखुर्द में नितेश, रोहित पिता कृपाल सिंह को।

छावनी पठान में चतर सिंह, रवि ठाकुर, रामबाबू ठाकुर, योगेश सिंह, रोहित सिंह, विजेंद्र ठाकुर, कमलेश यादव, सीमा निर्मला, राकेश सिंह ठाकुर, मनीष चौकसे, मनोहर मेहरा को, सेवनियां ओंकार में श्याम प्रधान को नोटिस दिए गए हैं।

खंडवा में फिर मर्डर, सोते हुए परिवार पर हमला

विश्वास का तीर

खंडवा में आपसी रंजिश को लेकर दूसरे दिन फिर और एक मर्डर हो गया। अपराधियों के हौसले बुलंद हो गए है, शांति के टापू कहलाने वाले इलाकों में हत्या जैसी वारदातें हो रही है। नया मामला पिपलोद थाना क्षेत्र के गांव लालमाटी का है। यहां सोते हुए एक परिवार पर हमला कर दिया गया। पुरानी रंजिश में हमलावरों ने परिवार के युवक को जान से मार दिया। मृतक के पिता, बहन और पत्नी भी घायल है। जिनका इलाज चल रहा है। घटना 18 जून की है। आधा दर्जन से ज्यादा लोगों ने एक परिवार पर हमला कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल एक युवक को इलाज के लिए इंदौर रेफर किया गया था। जहां उसकी मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल है, जिनका खंडवा जिला अस्पताल में इलाज जारी है। इनमें बहन सोनिया, पिता प्रकाश और पत्नी रूकमा शामिल है। पुरानी रंजिश को लेकर यह विवाद होना बताया जा रहा है। पिपलोद पुलिस ने 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। टीआई एसएन पांडे ने बताया कि मारपीट में अंटू नाम के युवक को सिर, हाथ और छाती में चोंट आई थी। इंदौर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पूछताछ में 6 लोगों के नाम सामने आए थे। जिन्हें गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि मृतक के पिता और आरोपी पक्ष के कैलाश के साथ डेढ़ साल पहले शराब पीकर बाइक से जा रहे थे। रास्ते में एक्सीडेंट हो गया और कैलाश की मौत हो गई थी। जिसके बाद कैलाश के परिवार वाले उस घटना का जिम्मेदार प्रकाश को मान रहे हैं। इसलिए उन्होंने प्रकाश के परिवार पर हमला कर दिया।

भोपाल में ढाई मिनट में लूट; पीड़ित शोर न मचाए इसके लिए मुंह में भरी मिर्च

महिला की आंख में मिर्च झोंकी, सोने के कड़े-अंगूठी छीनी

विश्वास का तीर

भोपाल में गुरुवार को दिनदहाड़े घर में घुसकर एक महिला से लूट हो गई। वारदात शहर के शाहजहांनाबाद इलाके में स्थित नूर महल की है। बुरका पहनकर आई आरोपी महिला ने पीड़ित की आंख में मिर्च झोंक दी। वह शोर नहीं मचा सके, इसके लिए मुंह में भी मिर्च भर दी। फिर फर्श पर गिराने के बाद आरोपी ने पीड़ित से सोने के दो कड़े और अंगूठी छीन ली। महज ढाई मिनट में वारदात को अंजाम देकर आरोपी महिला फरार हो गई। अपार्टमेंट में लगे सीसीटीवी फुटेज में बुरका पहनी महिला आते-जाते नजर आ रही है। शाहजहांनाबाद थाने के टीआई यूपीएस चौहान ने बताया कि रिजवाना हुसैन (63) पत्नी अथहर हुसैन अली अपार्टमेंट नूर महल में रहती हैं। पति सिल्वर लाइन हॉस्पिटल में मैनेजर हैं। गुरुवार को दोपहर में रिजवाना घर में अकेली थीं। इकलौता बेटा भी जॉब पर गया था।

पीड़िता के पति बोले- कड़े-अंगूठी छीनी

रिजवाना के पति अथहर हुसैन ने बताया, दोपहर के समय पत्नी आम तौर पर घर में अकेले ही रहती हैं। गुरुवार दोपहर करीब 12:48 बजे दूसरी मंजिल स्थित फ्लैट की डोर बेल को किसी ने बजाया। पत्नी ने गेट खोला, तो सामने महिला खड़ी थी। उसने तत्काल पत्नी की आंख में मिर्च झोंक दी। शोर न कर सके, इस कारण पत्नी के मुंह में भी मिर्च ठूंस दी। इसके बाद आरोपी महिला ने पत्नी के हाथ में पहने दो कंगन और सोने की अंगूठी उतार ली। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी। महज ढाई मिनट के भीतर वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी महिला करीब 12:51 बजे लौट गई। आरोपी महिला घर में दाखिल होते समय बुरका पहने थी। लौटते समय बुरका उतार लिया था। महिला पहले से हाथ में पॉलीथिन लेकर आई थी। घटना के तत्काल बाद पत्नी ने कॉल कर जानकारी दी। हुलिया के आधार पर पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

चौकीदार बोले- रोजाना कई लोगों का आना-जाना

नूर महल के जिस अली अपार्टमेंट में वारदात हुई है, वहां 24 से ज्यादा फ्लैट हैं। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर बुजुर्ग दद्दा मियां रहते हैं। चौकीदारी का जिम्मा इन्हीं पर है। दद्दा मियां ने बताया, %वारदात के समय वह ग्राउंड फ्लोर पर स्थित अपने फ्लैट में ही मौजूद थे। अपार्टमेंट में 28 फ्लैट हैं। घनी बस्ती के बीच बने अपार्टमेंट में रहने वाले लोगों के घर ईद के चलते रोजाना कई लोगों का आना-जाना है। बुरके में आई महिला ने कब वारदात की, पता भी नहीं लगा। जहां वारदात हुई, उसके पड़ोस के दो फ्लैट खाली हैं। पुलिस का कहना है कि सामने वाले फ्लैट में एक परिवार रहता है। उसने बताया कि उन्हें शोर-शराबे की आवाज सुनाई नहीं दी थी। रिजवाना के पति और बेटे के आने पर वारदात का पता लगा।

बुजुर्ग से रेप, रेलवे स्टेशन से उठा ले गया बदमाश

विश्वास का तीर

उज्जैन में 70 साल की बुजुर्ग महिला से रेप का मामला सामने आया है। महिला को बदमाश रेलवे स्टेशन से उठा ले गया। टूटे हुए रेलवे क्वार्टर में ले जाकर रेप किया। घटना बुधवार सुबह की है। महिला केस दर्ज कराने के लिए दिन भर जीआरपी थाने में बैठी रहीं। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद देर रात एफआईआर लिखी। पीड़ित बीना की रहने वाली हैं। वे अपने बेटे के साथ काम की तलाश में उज्जैन आई थीं। रात होने पर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-8 पर सो रही थीं। उन्होंने पुलिस को बताया कि सुबह 6 बजे एक बदमाश आया और उन्हें जबरन अपने साथ ले गया। वह उन्हें नीलगंगा वाली साइट में तोड़े गए रेलवे क्वार्टर के पास लेकर पहुंचा। यहां रेप कर भाग गया। महिला ने बेटे के साथ जीआरपी थाने पहुंचकर शिकायत की।

आलेख

कितने जायज हैं ईवीएम पर विपक्ष के सवाल?

देश में प्राय: हर उस चुनाव के बाद विद्युतीय मतदान मशीन पर सवाल उठते रहे हैं, ज़ब किसी भी विपक्ष की सरकार नहीं बन पाती। इस बार भी लोकसभा चुनाव के बाद देर से ही सही, लेकिन ईवीएम पर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि अभी स्वर इसलिए भी धीमे हैं, क्योंकि लोकसभा चुनाव में विपक्ष के राजनीतिक दलों ने अपनी ताकत बढ़ाकर एक मजबूत विपक्ष बनने का रास्ता तैयार कर लिया है। देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा दृश्य पहली बार दिख रहा है, ज़ब विपक्ष सरकार बनाने से दूर रहकर भी अपनी विजय का अहसास करा रहा है। इसके विपरीत सत्ता पाने वाले राजग इस बात की समीक्षा कर रहा है कि उसकी सीटें कम कैसे हो गईं। जबकि यह समीक्षा विपक्षी दलों को करना चाहिए। खैरज बात हो रही थी ईवीएम की। इस लोकसभा चुनाव से पूर्व भी भाजपा के नेतृत्व में दो बार केंद्र में सरकार बनी, तब भी विपक्ष का यही मानना था कि ईवीएम की गड़बड़ी के कारण ही भाजपा ने विजय प्राप्त की है। हालांकि इन दस वर्षों के दौरान कई बार ऐसे चुनाव परिणाम भी आए हैं, जिसमें भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। लेकिन विसंगति यही है कि इसके बाद विपक्ष की ओर से ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठाए गए। ऐसी स्थिति में यही कहा जा सकता है कि विपक्ष की ओर से स्थिति देखकर ही सवाल उठाए जाते हैं। विपक्षी राजनीतिक दलों को ऐसा ही लगता है कि भाजपा के पास कोई जनाधार नहीं है, वे मात्र ईवीएम के सहारे ही जीतते हैं। जबकि विपक्ष के किसी राजनीतिक दल को किसी

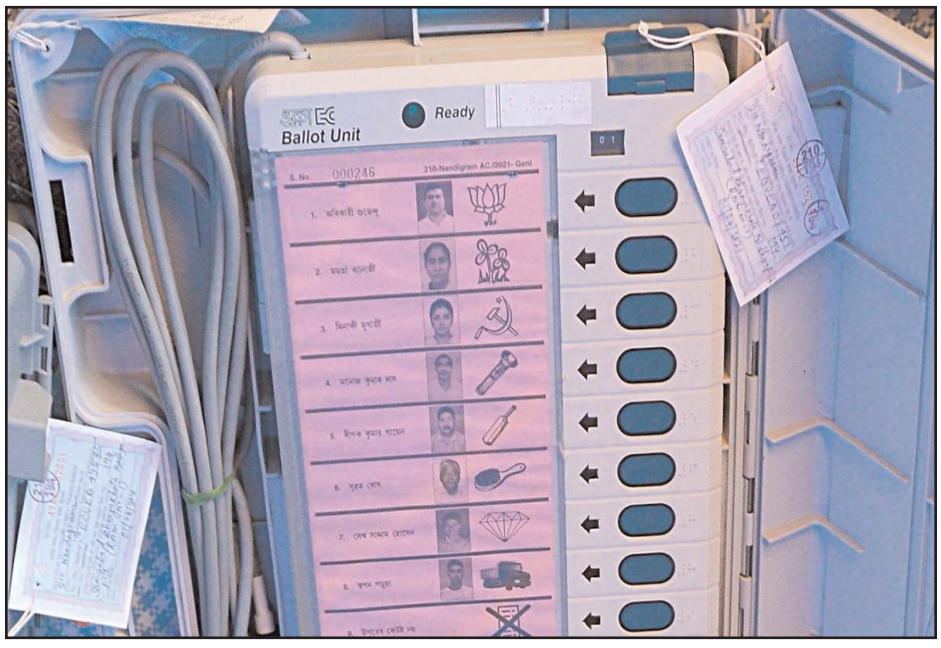

राज्य में सत्ता प्राप्त हो जाए तो फिर ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए जाते। हम जानते हैं कि विपक्ष को केवल भाजपा की जीत से परहेज है, वे भाजपा की जीत को पचा नहीं पाते, जबकि दिल्ली और पंजाब में आम आदमी पार्टी को छप्पर फाड़ समर्थन मिला था, लेकिन तब ईवीएम पर कोई सवाल नहीं उठा। हमें स्मरण होगा कि सन 2014 के लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद विपक्षी दलों के अधिकतर नेताओं ने एक स्वर में ईवीएम पर सवाल खड़े किए थे। तब इन सवालों का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग ने सारे राजनीतिक दलों को बुलाया था कि ईवीएम को कोई हैक करके दिखाए। लेकिन उस समय ज्यादा विरोध करने वाले कोई भी राजनेता चुनाव आयोग के बुलावे पर नहीं पहुंचे। इसका तात्पर्य यही है कि विपक्ष के ईवीएम पर आरोप का कोई पुष्ट आधार नहीं है। इस बार भी केवल आशंका के आधार पर ईवीएम को निशाने पर लाने की कोशिश की जाने लगी है। चुनाव परिणाम के बाद इस बात की पूरी संभावना बन रही थी कि इस बार ईवीएम को आड़े हाथ लिया जाएगा। इसलिए चुनाव आयोग ने भी ईवीएम को लेकर उत्पन्न होने वाले भ्रम को दूर करने का प्रयास किया। लेकिन इतना होने के बाद भी यह भ्रम दूर नहीं हो सका और ईवीएम पर आरोप लगने शुरू हो गए हैं। यह विवाद कितनी दूर तक जाएगा, यह तो कहना मुश्किल है, लेकिन ज़ब धुंआ उठने लगा है तो आग भी कहीं न कहीं लगी ही होगी। अब विपक्ष के निशाने पर चुनाव आयोग और ईवीएम दोनों ही हैं। विपक्ष की ओर से यह कई बार कहा गया कि चुनाव आयोग केंद्र सरकार के संकेत पर कार्य करता है। वास्तविकता यह है कि चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है, जिस पर न तो किसी सरकार का कोई प्रभाव रहता है और न ही किसी राजनीतिक दल का। फिर भी चुनाव आयोग को क्यों विवाद में घसीटा जाता है। यहां यह भी बताना बहुत महत्वपूर्ण है कि अगर विदेश का कोई व्यक्ति या संस्था भारत के बारे में कोई सवाल उठाता है तो हमारे देश के कुछ लोग उस पर आँख बंद करके विश्वास कर लेते हैं, जबकि हमारे देश के संस्थान केवल सफाई देते रहते हैं। अभी हाल ही में एलन मास्क द्वारा यह कहकर सनसनी फैलाने का ही काम किया है कि ईवीएम हैक हो सकती है। एलन मास्क ने यह बयान क्यों दिया, यह तो वही जानें, लेकिन विदेश के लोगों द्वारा भारत के बारे में ऐसे विवादित बयान कई बार दिए जा चुके हैं, जिसको आधार बनाकर भारत की राजनीति को प्रभावित करने का प्रयास किया गया। पाकिस्तान की तरफ से तो मोदी सरकार को सत्ता से हटाने के लिए एक अभियान सा चलता दिखाई दिया। बेहतर यही होता कि विदेश के किसी भी व्यक्ति को सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों तरफ से आईना दिखाने का कार्य किया जाता। क्योंकि यह भारत के अंदरुनी मामले हैं, जिनका समाधान कोई विदेशी कभी नहीं निकाल सकता।

तपते टापू बनते शहरों में जनजीवन पर मंडराया संकट, कौन है जिम्मेदार?

संपादकीय

उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। क्योंकि लू के दिनों की संख्या इस बार दो गुनी से ज्यादा हो गई है। आंकड़े बता रहे हैं कि लू की चपेट में आने से अबतक दर्जनों लोगों की जान चली गई है। वैसे तो ऐसा हर साल मई और जून के महीनों में होता आया है, लेकिन अब जलवायु परिवर्तन से स्थिति साल दर साल और गम्भीर ही होती जा रही है, जो सार्वजनिक और सामूहिक चिंता की बात है। इस स्थिति से निबटने के लिए सरकार और सामाजिक संगठनों, दोनों को जागृत होना पड़ेगा, अन्यथा जिम्मेदारी और जवाबदेही दोनों तय किये जाने की मांग भी जोर पकड़ेगी, जो जायज होगी। जानकारों के मुताबिक, देश के कुछेक शहर अब तपते टापू यानी हीट आइलैंड प्रतीत हो रहे हैं। सामान्य शब्दों में हीट आइलैंड का मानक 44 डिग्री और उससे ऊपर का तापमान है। चूंकि यह सामान्य से 4 डिग्री अधिक होता है। इसलिए हीट आइलैंड का शिकार हो रहे शहरों में लू का प्रकोप भी भयावह हो जाता है। इससे शहर की गतिविधियां लगभग ठप पड़ जाती हैं। अमूमन हर साल मई और जून के महीनों में इन शहरों में तापमान 45 से 49 डिग्री तक पहुंच चुका है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हो उठता है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर अंधाधुंध विकास की आंधी में झुलस रहे इन शहरों की मौजूदा स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है और इससे बचने का सही रास्ता क्या है, जिसे सुझाने में सरकार भी लापरवाही बरत रही है! मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, जलवायु परिवर्तन के साथ उपयुक्त और अनुपयुक्त भूमि के बिगड़ते संतुलन, शहरों में कंक्रीट के बढ़ते जंगल, वातानुकूलित (एयर कंडीशनर) इमारतें, वाहन और उद्योगों के उगलते धुओं के चलते व्याप्त गर्मी से जगह-जगह पर हीट आइलैंड बन रहे हैं। गांवों की अपेक्षा कंक्रीट वाले शहर इससे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं। वहीं, जिन इलाकों में पेड़-पौधे कम होते हैं और कंक्रीट के भवन, घनी आबादी और एसी ज्यादा होते हैं, वहां पर हीटलैंड बन जाते हैं। वहां पर अन्य जगहों के मुकाबले 2 से 3 डिग्री अधिक तापमान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट है कि हीट आइलैंड बनने के वास्ते किसी भी शहर में जो स्थानीय कारण हैं, उनमें बढ़ते भवनों की संख्या, पौधों का कटना, एसी की संख्या बढ़ना, वाहन बढ़ना, घनी आबादियां आदि शामिल हैं। इनका सीधा असर जलवायु परिवर्तन पर पड़ता है, इसलिए इस नजरिए से भी चिंतन जरूरी है। चिकित्सक बताते हैं कि हीट वेब का असर हीट आइलैंड पर ज्यादा होता है। इसके चलते हृदय रोगियों के साथ मस्तिष्काघात (ब्रेन स्ट्रोक) के मामले भी बढ़ रहे हैं। वहीं अनिंद्रा से तनाव-बेचैनी के साथ लोगों की दिनचर्या भी स्पष्ट तौर पर प्रभावित हुई है। इससे गम्भीर बीमारियां भी बढ़ रही हैं।

14 साल पहले गोवा से हो गया था लापता, मां बोलीं-एक दिन जरूर लौटेगा

पिता ने फौजी बेटे को ढूंढने बेची 9 बीघा जमीन

विश्वास का तीर

'मैं अपने बेटे के लिए हर सोमवार को पशुपतिनाथ का व्रत रखती हूं। मुझे पता है कि वो एक दिन सही सलामत मेरे पास लौट आएगा। बेटा मेरे सपने में आता है। वो मुझसे कहता है- मां, मैं उन्हें छोड़ूंगा नहीं।' ये कहते हुए छाया सोलंकी रो पड़ती हैं। मंदसौर की रहने वाली छाया फौजी सुरेंद्र सिंह सोलंकी की मां हैं। सुरेंद्र सिंह पिछले 14 साल से लापता है। ये मामला एक बार फिर सुर्खियों में है क्योंकि मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने 27 मई 2024 को सुरेंद्र के परिजन को फैमिली पेंशन देने का फैसला सुनाया है। कोर्ट ने टिप्पणी करते हुए कहा था, 'जब आर्मी का कोई सैनिक ड्यूटी से लापता हो जाता है या उसकी मृत्यु हो जाती है तो सेना का व्यवहार उसके परिजन के प्रति रूखा क्यों हो जाता है?' दरअसल, सुरेंद्र के लापता होने के बाद उसके परिजन को 2012 से सिर्फ गुजारा भत्ता मिला। कुछ टाइम बाद नियमों के कारण इसमें भी रुकावट आने लगी। इसके बाद परिवार ने फैमिली पेंशन हासिल करने के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। कोर्ट का फैसला आने के बाद सुरेंद्र के परिजन से बात की तो पता चला कि 14 साल से वे उसकी तलाश कर रहे हैं जबकि आर्मी उसे मृत घोषित कर चुकी है।

जानिए, सुरेंद्र सिंह कैसे और कब लापता हुआ

सुरेंद्र के बड़े भाई वीरेंद्र बताते हैं कि जनवरी 2010 में सुरेंद्र के साथ देशभर की आर्मी यूनिट के करीब 25 फौजियों को 5 महीने की स्पेशल ट्रेनिंग के लिए चुना गया था। जब ट्रेनिंग खत्म हुई तो बाकी फौजी अपनी यूनिट में लौट गए, लेकिन सुरेंद्र को तीन महीने के वहां ट्रेनर की जिम्मेदारी दी। इसके बाद वह 20 दिन की छुट्टी पर घर आया था। उसे फिर गोवा जाना था। 24 जुलाई 2010 को मैं और पिताजी उसे खंडवा स्टेशन पर छोड़ने गए थे। वास्कोडिगामा एक्सप्रेस से वह गोवा के लिए रवाना हुआ। उसे घर से विदा करते वक्त इस बात का इल्म नहीं था कि वह कभी वापस नहीं लौटेगा। सुरेंद्र की मां छाया सोलंकी बताती है कि 25 जुलाई को बेटे का जन्मदिन था। सुबह 9 बजे उसने मुझे कॉल किया था। बताया था कि गोवा के मडगांव स्टेशन पहुंच गया है और अब आर्मी कैंप जा रहा है। पूरे परिवार ने उसे बर्थडे विश किया था। वीरेंद्र कहते हैं कि तब हमें अंदाजा भी नहीं था की सुरेंद्र अचानक लापता हो जाएगा। तीन दिन बाद 28 जुलाई को सेना के अधिकारी ने हमसे पूछा कि सुरेंद्र क्यों नहीं पहुंचा, तो मैंने कहा कि वो तो पहुंच चुका है। मगर, अफसर ने कहा कि वह आर्मी कैंप पहुंचा ही नहीं।

पुलिस ने सपोर्ट नहीं किया तो परिवार ने खुद निकाले सीसीटीवी फुटेज

सुरेंद्र के पिता गोवर्धन बताते हैं कि जब गोवा पुलिस ने किसी तरह की मदद नहीं की तो हमने स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज निकलवाए। सीसीटीवी फुटेज में सुरेंद्र मडगांव स्टेशन के ब्रिज पर आखिरी बार नजर आया था। जब हमने ये पुलिस को दिखाए तो उन्हें भरोसा हुआ कि वह गोवा में उतरा था। इसके बाद उसके फोन की कॉल डिटेल भी निकाली, जिसमें आखिरी बार मडगांव स्टेशन पर ही उसका नेटवर्क मिला। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। इधर हम लोगों ने भी गोवा में उसे ढूंढने के लिए लोकल अखबार में इश्तिहार दिए। उसका पता बताने वाले के लिए इनाम भी घोषित किया।

परिवार ने बेची 9 बीघा जमीन, दो राज्यों के सीएम से मिले

सुरेंद्र के पिता गोवर्धन सिंह कहते हैं कि बेटे की तलाश में देश का कोना कोना छान मारा, लेकिन वह नहीं मिला। एक शहर से दूसरे शहर में उसकी तलाश के लिए 9 बीघा जमीन भी बेच दी। अब हम शारीरिक, आर्थिक और मानसिक रूप से टूट चुके हैं। टेंशन के चलते उसकी मां डायबिटीज की मरीज हो गई है और मुझे हाई ब्लड प्रेशर की शिकायत है। गोवर्धन कहते हैं कि बेटे की तलाश करने के लिए प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से लेकर गोवा के तत्कालीन सीएम मनोहर पर्रीकर से भी मुलाकात की थी। सभी ने आश्वासन दिया, लेकिन कुछ नहीं हुआ। उनसे पूछा कि क्या अब बेटे के वापस लौटने की उम्मीद है, तो बोले- हम तो उम्मीद छोड़ ही नहीं रहे, वो वापस आ जाए तो ये चमत्कार ही होगा। मेरे परिचित मुझे कहते हैं कि वह सीक्रेट मिशन पर होगा, लेकिन मुझे नहीं लगता कि कोई सीक्रेट मिशन इतने सालों तक चलता है। वे कहते हैं कि अगर वो बॉर्डर से गायब होता तो हम समझ सकते थे कि दुश्मन ने उसके साथ कुछ किया होगा। वह तो देश के अंदर ही लापता हो गया। अब हम क्या समझें हर तरह से सोच कर देख लिया पर कुछ समझ ही नहीं आया।

चलती कुशीनगर एक्सप्रेस से युवक को धक्का दिया

विश्वास का तीर

भोपाल रेलवे स्टेशन का चलती ट्रेन से एक युवक को धक्का दिए जाने का रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। 22538 छत्रपति शिवाजी टर्मिनल से गोरखपुर की ओर जाने वाली कुशीनगर एक्सप्रेस बुधवार को प्लेटफार्म नंबर दो पर पहुंची थी। पांच मिनट रुकने बाद जैसे ही स्टेशन से रवाना हुई जनरल कोच से एक यात्री ने दूसरे यात्री को धक्का दे दिया। वीडियो बुधवार (19 जून) का है। दोपहर करीब 2 बजे कुशीनगर एक्सप्रेस भोपाल स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर आई। इस दौरान सीट के विवाद को लेकर दो युवकों में झगड़ा हुआ। एक युवक ने दूसरे को चलती ट्रेन से नीचे धकेल दिया। इस घटना से पीड़ित युवक को कोई चोट नहीं आई है। आरपीएफ कमांडेंट प्रशांत यादव ने बताया कि यह घटना बुधवार की है। युवक नर्मदापुरम से विदिशा जाने के लिए कुशीनगर एक्सप्रेस में चढ़ा था। दर किसी अन्य युवक से सीट को लेकर विवाद हुआ। अंदर मौजूद युवक ने उसे चलती ट्रेन में से धक्का दिया। उसे कोई चोट नहीं आई। युवक ने एफआईआर कराने से भी मना कर दिया। वो दूसरी ट्रेन से विदिशा चला गया। हम सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी युवक की तलाश कर रहे हैं। अभी मामले में जांच जारी है।

उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने उज्जैन पहुंचकर वरिष्ठ नेता एवं भारतीय जनता पार्टी संसदीय बोर्ड के सदस्य श्री सत्यनारायण जटिया जी की धर्मपत्नी श्रीमती कलावती जटिया जी के निधन पर शोक संवेदना प्रकट की। जटिया परिवार के लिए यह समय दु:ख और कष्ट से भरा है। मेरी बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि शोक संतप्त परिवारजन को संबल और साहस प्रदान करें।

अमरवाड़ा उपचुनाव...

कांग्रेस प्रत्याशी धीरन शाह ने नामांकन भरा

विश्वास का तीर

अमरवाड़ा पहुंचे मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के बयान पर कहा, कांग्रेस को उनकी दया की जरूरत नहीं है। ये अहंकार रावण का भी था। मुख्यमंत्री से इसके अलावा ऐसी शब्दावली से यादा आशा भी नहीं की जा सकती। दो दिन पहले सीएम अमरवाड़ा से बीजेपी प्रत्याशी कमलेश शाह का नामांकन कराने अमरवाड़ा आए थे। कांग्रेस अब तक अमरवाड़ा उपचुनाव के लिए कैंडिडेट का चयन नहीं कर पाई इस पर सीएम ने कहा था, वे दया के पात्र हैं। पटवारी गुरुवार को कांग्रेस प्रत्याशी धीरन शाह इनवाती के नामांकन में पहुंचे थे। बुधवार को ही बतौर पार्टी उम्मीदवार उनके नाम की घोषणा की गई थी। नामांकन रैली में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, पूर्व मंत्री सजन सिंह वर्मा, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे, छिंदवाड़ा जिले से कांग्रेस के 6 विधायक शामिल हुए।

पटवारी बोले- सरकार अहंकार में

इसके पहले हुई सभा में जीतू पटवारी ने कहा, आंचलकुंड दादा दरबार धाम से अभी तक हमने आशीर्वाद लिया है, अब उन्हें कुछ देने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश सरकार अहंकार में है। लाड़ली बहनों को 3000 रुपए देने का वादा किया और दे नहीं हरे, हम विपक्ष की भूमिका निभाएंगे, बहनों को ये राशि दिलवाएंगे। इसके बाद सभी रैली निकालते

हुए पहुंचे। कांग्रेस प्रत्याशी ने अमरवाड़ा अनुविभागीय अधिकारी हेमकरण धुर्वे के समक्ष नामांकन प्रस्तुत किया।

सिंघार बोले- विश्वासघातियों को मजा चखाएंगे

अमरवाड़ा जाते समय मुलताई में कार्यकर्ताओं ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार स्वागत किया। सिंघार ने उनसे वादा किया कि वे वापस आते समय उनके साथ भोजन करेंगे। उन्होंने कहा, जो लोग विश्वासघाती है, उन्हें चुनाव में मजा चखाया जाएगा।

नामांकन रैली थोड़ी देर में शुरू होगी

अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस प्रत्याशी धीरन शाह इनवाती गुरुवार को नामांकन करेंगे। बुधवार को ही वे प्रत्याशी घोषित हुए हैं। नामांकन रैली थोड़ी देर में शुरू होगी। रैली मुख्य मार्गों से होते हुए गंज बाजार स्थित आमसभा स्थल पर पहुंचेगी। मध्यप्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार, पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी, जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विश्वनाथ ओकटे शामिल होंगे। नामांकन के बाद स्टेडियम में सभा होगी, इसके बाद सभी आंचलकुंड धाम में जाकर दर्शन करेंगे।

शाह की आदिवासी वोटबैंक में अछी पकड़

धीरन शाह आंचलकुंड के सेवादार सुखराम दादा के बेटे हैं। इस परिवार की आदिवासी परिवारों में अछी पकड़ है। भारिया हो या आदिवासी, हर कोई दादा दरबार में जाकर हाजिरी लगाता है। ऐसे में उनके परिवार को हर कोई जानता है। कांग्रेस अब इसी संबंध को भुनाने की तैयारी में है। कांग्रेस में धीरन के नाम से पहले जिला पंचायत सदस्य नवीन मरकाम और चंपालाल कुरचे के नाम पर विचार चल रहा था। कुछ स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने आंचलकुंड दरबार से प्रत्याशी बनाने की बात रखी। इसके बाद धीरन शाह के नाम पर सहमति बनी। धीरन शाह बटकाखापा सहकारी समिति में सेल्समैन रहे चुके हैं। उनके चाचा जनपद पंचायत सदस्य हैं।

कारोबारी सीढ़ी पर, बड़ी बेटी डोर हैंडल पकड़े मृत मिली, छोटी जिंदा थी

पत्नी को 5 घंटे बाद बताया- पति-बेटियां जिंदा जल गए

विजय | अंशिका | यशिका

विश्वास का तीर

ग्वालियर में ड्राय फ्रूट्स के कारोबारी विजय अग्रवाल, दो बेटियों अंशिका (15) और यशिका (14) की आग ने जान ले ली। पिता और दोनों बेटियों ने बचने के लिए कितना संघर्ष किया, कोई नहीं जानता। लेकिन, जिस हालत में उनके शव तीन मंजिला घर में अलग-अलग मिले हैं, उससे यह तो साफ है कि तीनों ने बचने के लिए काफी संघर्ष किया होगा। बुधवार - गुरुवार की दरमियानी रात 2 बजे कारोबारी और बेटियों ने खुद को आग से घिरा पाया तो वे एक - दूसरे की जान बचाने यहां-वहां भागे। पिता ने बेटियों को थर्ड फ्लोर पर कमरे में ही रहने के लिए कहा होगा। खुद पहली मंजिल पर दरवाजे तक पहुंचने की कोशिश की। आग तीनों फ्लोर पर थी। दूसरी मंजिल की सीढ़ियों के पास ही व्यापारी दम घुटने से गिर गए। बड़ी बेटी दरवाजे के लॉक हैंडल को पकड़े हुए थी, छोटी बेटी बेड पर थी और उसकी सांसें चल रही थीं। एसडीईआरएफ (स्टेट डिजास्टर इमरजेंसी रिस्पॉन्स फोर्स) ने इसी हालत में तीनों को निकाला था। उपायुक्त और नगर निगम ग्वालियर के अग्निशमन अधिकारी अतिबल सिंह यादव ने जब हमने यशिका को रेस्क्यू किया तो उसके शरीर में मामूली हलचल थी। लग रहा था कि उसे बचा लिया जाएगा, अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत की खबर मिली।

बेटियों और पति की मौत से अंजान थीं राधिका

घटना के समय व्यापारी विजय और उनकी दोनों बेटियां ही घर पर थे। पत्नी राधिका, बेटे अंश को लेकर मुरैना मायके में अपने घायल चाचा को देखने गई थीं। घटना के बाद व्यापारी की पत्नी को मुरैना से बुलाकर बहोड़ापुर में एक रिश्तेदार के घर रुकवा दिया गया था। सुबह 11 बजे तक राधिका पति, दो बेटियों की इस मौत से अंजान थीं। उन्हें दोपहर में तब बताया गया, जब शव को घर लेकर आने वाले थे। वे बेसुध हो गईं। कारोबारी और उनकी बेटियों की मौत की पुष्टि सुबह 5 बजे तक हो गई थी।

छत के रास्ते जाते तो बचने की संभावना ज्यादा थी

स्थानीय लोग बता रहे हैं कि आग ग्राउंड फ्लोर पर लगी। यहां ड्राय फ्रूट्स की शॉप थी। दूसरी मंजिल पर इसका गोदाम था। तीसरी पर परिवार रहता था। जिस समय आग लगने का पता लगा, व्यापारी नीचे की तरफ भागा, जबकि वे छत की तरफ भी भाग सकते थे। हालांकि, छत के रास्ते पर भी आग थी, लेकिन वहां बचने की संभावना ज्यादा थी। ऐसा माना जा रहा है कि व्यापारी और उनकी बेटियों को यह लगा होगा कि आग ऊपरी मंजिल पर ही लगी है, इसलिए वह देखने के लिए नीचे की ओर भागे।

6 महीने पहले ही बंद किया था थर्ड फ्लोर का दरवाजा

व्यापारी के घर में दो ही रास्ते थे। एक मुख्य दरवाजा दुकान के पास है। दूसरा दरवाजा तीसरी मंजिल से था। इस दरवाजे से व्यापारी अपने घर से पड़ोस में अपने चाचा के घर की तरफ निकल जाते थे, लेकिन छह महीने पहले ही इसे बंद कर लकड़ी की बड़ी अलमारी इसमें बना दी गई।

संकरी गलियों में बड़ी फायर ब्रिगेड नहीं पहुंच सकीं

बहोड़ापुर के कैलाश नगर में आगजनी की घटना के बाद जब फायर ब्रिगेड का दल पहुंचा तो संकरी गलियों के चलते बड़ी गाड़ी अंदर नहीं जा सकीं। इसके बाद फायर स्टेशन से छोटी फायर ब्रिगेड बुलाई गई। इसके बाद आग बुझाने के प्रयास शुरू हुए। आग बुझाने में फायर ब्रिगेड की 12 गाड़ी, एयरफोर्स की 1 गाड़ी, एसडीईआरएफ के 13 सदस्य जुटे हुए थे।

पिता, बड़ी बहनों को दी मुखाग्नि

गुरुवार दोपहर 2.30 बजे पुश्तैनी घर से कारोबारी, उनकी बेटियों की अर्थियां उठीं। पार्थिव शरीर लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम ले जाए गए। यहां व्यापारी के पुत्र अंश ने मुखाग्नि दी। बहनों को भी छोटे भाई ने मुखाग्नि दी। यह वो पल था, जब हर आंख नम थी। मध्यप्रदेश सरकार में ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मृतकों के परिजन से बात कर उन्हें ढांढस बंधाया है।

भोपाल के हज यात्री की मक्का में गर्मी से मौत

विश्वास का तीर

हज यात्रा पर गए भोपाल के एक हाजी की मक्का में हीट वेब से मौत हो गई। इसके अलावा, छतरपुर की महिला हज यात्री की भी मौत हो गई। इसकी पुष्टि मप्र हज कमेटी के कंट्रोल रूम में तैनात अफसरों ने की है। मप्र हज कमेटी कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के मुताबिक हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कोहेफिजा में रहने वाले 72 वर्षीय सैय्यद मुमताज हसन की मृत्यु 14 जून को मक्का में गर्मी के कारण हुई है। वे 5 जून को मुंबई से सऊदी के लिए रवाना हुए थे। कंट्रोल रूम के अफसरों के मुताबिक उन्हें मक्का में ही सुपुर्द-ए-खाक किया गया। इसके अलावा, हज यात्रा के दौरान छतरपुर की रहने वाली महिला हाजी राबिया बेगम की मौत भी गर्मी के कारण हुई है। वह हज यात्रा पर मप्र से गई थी।

मुमताज हसन पत्नी के साथ गए थे

हज कमेटी कंट्रोल रूम के अफसरों ने बताया कि सैय्यद मुमताज हसन हज यात्रा पर 68 वर्षीय पत्नी सीमा मुमताज हसन के साथ गए थे। उन्हें हज यात्रा के तय शेड्यूल के अनुसार 17 जुलाई को भारत वापस लौटना था।

सैय्यद मुमताज हसन | राबिया

नमाज से लौटते वक्त रास्ता भटक गए थे मुमताज

मुमताज हसन के बेटे अब्दुल हसन ने बताया कि हमें उस दिन ही खबर मिल गई थी। हमारे कजिन ने कॉल करके इस बारे में बताया। वे असिर की नमाज के लिए मस्जिद अल खैफ गए थे। वहां से लौटते वक्त रास्ता भटक गए थे। जब वापस खैमे (हाजियों के बनाए गए छोटे-छोटे घर) में पहुंचे, तो तबीयत ठीक नहीं थी। वहीं उनका इंतकाल हुआ। विधायक आरिफ मसूद भी वहीं थे । मेरी वालिदा सीमा मुमताज की तबीयत भी ठीक नहीं है। वालिद और वालिदा पहली बार ही हज करने गए थे। मुमताज हसन के भतीजे आरिफ ने बताया कि वह फिट थे। कभी कोई बीमारी नहीं रही। उन्हें बीपी तक नहीं था। करीब 9 साल से भोपाल में थे। प्लास्टिक के दाने की फैक्ट्री रायसेन जिले में डाली थी। मगर, पिछले करीब 3 साल से रिटायर्ड हो गए थे। वहां गर्मी की वजह से डेथ हुई है। वह पहली बार हज करने गए थे।

कटक से 7 बार के सांसद, मार्च में बीजेडी छोड़कर बीजेपी में आए

भर्तृहरि महताब प्रोटेम स्पीकर नियुक्त...

विश्वास का तीर

18वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होगा। इसमें लोकसभा स्पीकर और डिप्टी स्पीकर का चुनाव होगा। इससे पहले गुरुवार (20 जून) को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने संविधान के आर्टिकल 95 (1) के तहत ओडिशा के कटक से भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब को प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया है। वे संसद में नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाएंगे। भर्तृहरि महताब कटक से सात बार के सांसद हैं। वे इस साल मार्च में ही बीजेडी छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए हैं। 2017 में लोकसभा में होने वाली चर्चाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें आउटस्टैंडिंग पार्लियामेंटेरियन अवॉर्ड से नवाजा गया था।

18वीं लोकसभा में भर्तृहरि की जिम्मेदारी

543 नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाएंगे। शपथ ग्रहण दो दिन तक चल सकता है। इसके बाद लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव होगा। तब तक लोकसभा चलाने की जिम्मेदारी भर्तृहरि की होगी।

प्रोटेम स्पीकर की मदद के लिए 5 सांसदों को भी चुना

इसके अलावा राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 99 के तहत लोकसभा स्पीकर के चुनाव तक नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाने में प्रोटेम स्पीकर की मदद करने के लिए सुरेश कोडिकुन्निल, थलिक्कोट्टई राजुथेवर बालू, राधा मोहन सिंह, फग्गन सिंह कुलस्ते और सुदीप बंदोपाध्याय को नियुक्त किया है।

कौन होता है प्रोटेम स्पीकर ?

प्रोटेम लैटिन शब्द प्रो टैम्पोर से आया है। इसका मतलब होता है- कुछ समय के लिए। प्रोटेम स्पीकर अस्थायी स्पीकर होता है। लोकसभा या विधानसभा चुनाव होने के बाद सदन को चलाने के लिए सत्ता पक्ष प्रोटेम स्पीकर को चुनता है। प्रोटेम स्पीकर का मुख्य काम नव निर्वाचित सांसदों/विधानसभा को शपथ ग्रहण कराना है। यह पूरा कार्यक्रम प्रोटेम स्पीकर की देखरेख में होता है। प्रोटेम स्पीकर का काम फ्लोर टेस्ट भी करवाना होता है। हालांकि संविधान में प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति, काम और पावर के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ नहीं कहा गया है। 8वीं लोकसभा का पहला सत्र 24 जून से शुरू होकर 3 जुलाई तक चलेगा। 26 जून से लोकसभा स्पीकर के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। ऐसी खबरें हैं कि भाजपा ओम बिड़ला को दूसरी बार स्पीकर बना सकती है। जबकि भाजपा की सहयोगी पार्टियां- चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी और नीतीश कुमार की जेडीयू - भी स्पीकर पद मांग रही हैं।

जम्मू में चिनाब ब्रिज पर ट्रेन का ट्रायल हुआ यह दुनिया का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज, 16 जून को पहली बार इलेक्ट्रिक इंजन चला था

विश्वास का तीर

जम्मू में चिनाब नदी पर बने दुनिया के सबसे ऊंचे आर्च ब्रिज पर 20 जून को ट्रेन का ट्रायल रन हुआ। इससे पहले 16 जून को ब्रिज पर इलेक्ट्रिक इंजन का ट्रायल हुआ था। यह ब्रिज संगलदान और रियासी के बीच रेलवे लाइन का हिस्सा है। इस रूट पर 30 जून से ट्रेन ऑपरेट करेगी। द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 16 जून को बताया था कि जम्मू के रामबन में संगलदान और रियासी के बीच ट्रेन का पहला ट्रायल रन पूरा हुआ है। यह ट्रेन चिनाब ब्रिज से होकर गुजरेगी, जो कि दुनिया का सबसे ऊंचा स्टील आर्च ब्रिज है। अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस सफल परीक्षण की जानकारी दी।

रेल मंत्री बोले- प्रोजेक्ट का काम लगभग पूरा

अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ऊधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट के तहत सभी निर्माण कार्य लगभग पूरे हो गए हैं। टनल नंबर 1 का निर्माण थोड़ा बाकी है। स्क्रक्र प्रोजेक्ट के पूरा होते ही भारतीय रेलवे कश्मीर घाटी को देश के बाकी रेलवे नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में एक और कदम पूरा होगा। केंद्रीय मंत्री और ऊधमपुर से भाजपा सांसद जितेंद्र सिंह ने भी 15 जून को ङ्ग पर लिखा कि रामबन के संगलदान से रियासी के बीच दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे ब्रिज पर ट्रेन सर्विस जल्द शुरू होगी। ऊधमपुर श्रीनगर बारामूला रेल लिंक प्रोजेक्ट इस साल के अंत तक पूरा हो जाएगया।

27-28 जून को रेलवे सेफ्टी कमिश्नर रूट का दौरा करेंगे

46 किमी लंबे संगलदान-रियासी रूट का 27 और 28 जून को रेलवे सेफ्टी कमिश्नर डीसी देशवाल इंस्पेक्शन करेंगे। नॉर्दर्न रेलवे के चीफ दीपक कुमार ने बताया कि इंस्पेक्शन तक बाकी काम पूरा हो जाएगा। प्रोजेक्ट 1997 से शुरू हुआ था और इसके तहत 272 किमी की रेल लाइन बिछाई जानी थी। अब तक अलग-अलग फेज में 209 किमी लाइन बिछाई जा चुकी है। इस साल के अंत तक रियासी को कटरा से जोड़ने वाली आखिरी 17 किमी लाइन बिछाई जाएगी, जिससे एक ट्रेन कश्मीर को बाकी देश से जोड़ेगी।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सपांदक आपयुष राजपूत द्वारा कविता आफॅसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- आपयुष राजपूत, मो.7247257823, 7999252366 (प्रति शुक्रवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2022/83636